# The National Academy of Sciences, India (NASI)

# 5, Lajpatrai Road, Prayagraj-211002, India

## Monthly Summary for the month of June 2021

1. After the lockdown in UP, the NASI-HQ at Prayagraj started resuming its routine activities with the opening of the office with adoption of the 'COVID Appropriate Behaviour', in the month of June 2021. The Calendar of activities revised; and preparations for several meetings started which are to be held in the end of June.

2. World Environment Day was organised on 5th June by the NASI-HQ, as well as several Chapters of the NASI. The NASI organised a Webinar on "Water Quality, Purification & Preservation" in which several distinguished scientists delivered very informative, inspiring and illustrative lectures connected with the theme (please see the copy of the programme- Annex. I); and the webinar was attended by about 200 participants from schools/colleges and the academia. The Chapters of the NASI at Bhopal, Uttarakhand, Kerala, Patna and some other places also organised thematic lectures on web attended by more than thousand students, teachers and scientists in total (please see Annex. II, III, IV & V as reference/record). Also tree plantation drive was organised at some Chapters.

3. Hon'ble Prime Minister of India announced/started the celebration of '***Azadi ka Amrut Mahotsav***'; following that, the DST, GoI sent circulars to its AIs to develop programmes for next 75 weeks to celebrate the same. NASI prepared it; and started the programme timely. Several Popular Science Articles are being written by the Fellows of the Academy, the report was/will be sent.

4. The NASI celebrated International Day of Yoga on 21st June, the report was sent to the DST, GoI.

5. A wide publicity to the 'Free Vaccination' was given to encourage people to get themselves vaccinated to combat COVID-19; and save the nation/humanity from the dreaded Coronavirus.

Several other NASI Chapters also organized online scientific activities.

Annex. I

# NASI Webinar on
# Water Quality, Purification & Preservation

# WORLD ENVIRONMENT DAY

## PARTICIPATING EMINENT PERSONALITIES

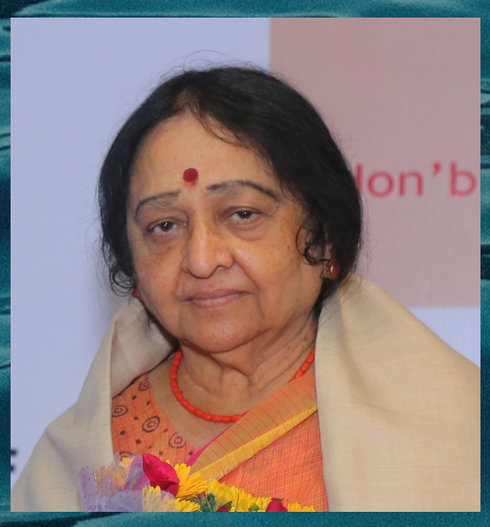

Prof. Manju Sharma

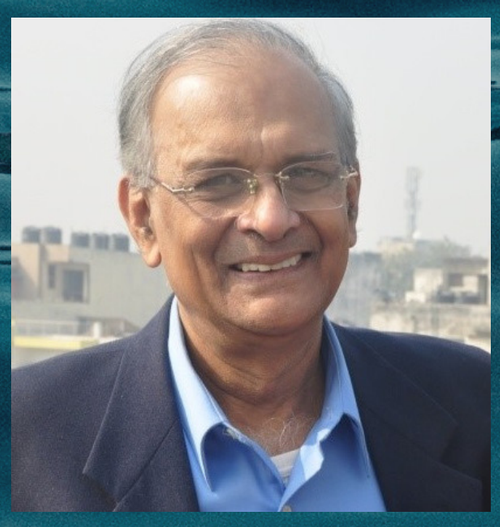

Prof. Ajoy Ghatak

Prof. P.K. Seth

Prof. Alok Dhawan

Prof. T. Pradeep

Dr. V.M. Tiwari

Prof. Paramjit Khurana

Prof. Satya Deo

## JOIN US ON CISCO WEBEX

## DATE/TIME: JUNE 05, 2021 @ 4.30 PM

https://nasi.webex.com/nasi/j.php?MTID=m7b51d89cb3c1a6765190799b88b3179b

Annex. II

# पर्यावरण एवं जैव विविधता दोनों को सही तरीके से संरक्षित करना होगा

महू। बीआर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महू ने विश्व पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्री एवं पोस्ट कोविड का पर्यावरण एवं जैव विविधता पर प्रभाव नेशनल अकैडमी आफ साइंसेज, इलाहाबाद के भोपाल चैप्टर, सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंस, सतना के साथ मिलकर आयोजित की। संगोष्ठी का उदघाटन करते हुए पद्मश्री महेश शर्मा ने कहा कि आज का दिन परंपरा सौंपने का दिन है। और हमारी परंपरा है पर्यावरण को संरक्षित रखना और उसका संवर्धन करना।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अखिलेश पांडे, उपकुलपति विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने कहा कि आज का दिन पारिस्थितिकी तंत्र जो नष्ट होता जा रहा है उनके रीस्टोरेशन , संरक्षण तथा संवर्धन के लिऐ विचार करने का दिन है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्राणी शास्त्र विभाग के अध्यक्ष एमेरिटस प्रोफेसर यू सी श्रीवास्तव ने की कोरोना वायरस आज कोई नया नहीं है 1960 में भी इसको देखा गया था। किंतु तब वह इतना प्रभावी एवं खतरनाक नहीं था।

आपके अनुसार कोविड की वजह से जो स्वरूप पर्यावरण का हमें दिख रहा है वह वास्तव में अच्छा नहीं है और स्थाई भी नहीं ।कितने दिन हम इस ग्रीन रिकवरी को रख पाते हैं यह विचार अवश्य करना होगा।

एम डी विश्वविद्यालय रोहतक, हरियाणा की प्राणी शास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ विनीता शुक्ला ने बताया कि जैव विविधता जीवन को एक मजबूत सहारा प्रदान करती है और पर्यावरण का यह एक महत्वपूर्ण घटक है।

अतः हमें पर्यावरण एवं जैव विविधता दोनों को सही तरीके से संरक्षित करना होगा और जो नष्ट हो गए हैं उनके पुनः स्थापन के लिए एक आंदोलन की तरह कार्य करना चाहिए।

अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर आशा शुक्ला ने कहा कि पशुओं से हमारा रिश्ता बहुत पुराना है। किंतु इस प्रेम के धागे को हमने कमजोर कर पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म दिया है अपितु जटिल बनाया है ।

जीव विज्ञान परिषद के महासचिव तथा नासी के भोपाल चैप्टर के सचिव डॉक्टर शिवेषप्रताप सिंह ने इस संगोष्ठी में सर्वसम्मति से पारित की गई अनुशंसाओं को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया ।

संगोष्ठी के समन्वयक डॉ मनमोहन प्रकाश श्रीवास्तव ने संगोष्ठी को प्रारंभ करते हुए कहा कि कोविड-19 के कारण पर्यावरण एवं जैव विविधता पर पड़ने वाले अच्छे और बुरे दोनों ही परिणामों का गहन अध्ययन किया जाना चाहिए ।

अंबेडकर विश्वविद्यालय के ही डी डॉक्टर डी के वर्मा संयोजक संगोष्ठी ने विषय पर कांसेप्ट नोट प्रस्तुत किया।

Annex.III

# मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी में ईकोसिस्टम रीस्टोरेशन विषय पर वेबिनार

स्टार समाचार | भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस इंडिया (भोपाल चैप्टर) के संयुक्त तत्वावधान में इकोसिस्टम रीस्टोरेशन विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में जहां एक ओर पारिस्थि की तंत्र की बहाली पर चर्चा की गई वहीं दूसरी ओर हिम-क्षेत्र में पाए जाने वाले तेन्दुओं पर चर्चा करते हुए पारितंत्र के संरक्षण पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. अरूण कुमार पाण्डेय ने कहा कि पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व है और हमारे सर्वाइवल के लिए पर्यावरण का स्वस्थ्य होना बेहद जरूरी है। उन्होंने विलुप्त हो रही प्रजातियों के संरक्षण के लिए ईकोसिस्टम रीस्टोरेशन को प्रथमिकता देने की भी बात कही।

कार्यक्रम के वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. राधे श्याम शर्मा ने कहा कि हमें इस सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि पहले पर्यावरण है उसके बाद हम हैं। उन्होंने कहा कि ईकोसिस्टम सर्विसेस की विस्तार से चर्चा करते हुए फाइटोरेमेडिएशन तथा बायोरेमेडिएशन के माध्यम से ईकोसिस्टम को पुनर्जीवित किया जा सकता है। उन्होंने मैनग्रुव पौधों का उदाहरण देते हुए कहा कि सुनामी में इन पौधों ने पर्यावरण को क्षतिग्रस्त होने से बचाया। साथ ही उन्होंने ईकोसिस्टम इंजीनियर के रूप में फॉज की उपयोगिता भी बताई।

स्टार समाचार Sun, 06 June 2021
epaper.starsamachar.com/c/60947684

Annex. IV

# Program Schedule

**Topic: Celebration of World Environment Day 2021**

**Date: 05th June, 2021**

**Time: 10:55 AM to 12:00 PM**

| | |
|---|---|
| 10:55 - 11:00 hrs | **Joining of Participants online** |
| 11:00 - 11:05 hrs | **Welcome Address**<br>Dr D.P.Uniyal, Joint Director, UCOST |
| 11:05 - 11:15 hrs | **Inaugural Address**<br>Dr Rajendra Dobhal, *FNASc,* Director General, UCOST |
| 11:15 - 11:45 hrs | **Keynote Lecture on "Nurturing Mother Earth: A Call to Prevent, Halt and Reverse the Degradation of Ecosystem"**<br>Dr Samir Sinha, *IFS*, Additional PCCF<br>Govt. of Uttarakhand |
| 11:45 - 11:55 hrs | **Question & Answer** |
| 11:55 -12:00 hrs | **Vote of Thanks**<br>Dr Aparna Sharma, Sr. Scientific Officer, UCOST |

**UCOST Dehradun is inviting you to a scheduled Zoom meeting.**

**https://zoom.us/j/9796157043?pwd=ZnFWNy9kWTl0eTJPV2pEZWs4cjhtZz09**

**Meeting ID: 9796157043**
**Passcode: 12345**

Annex. V

# Ecological Restoration of Degraded Ecosystems and the Role of Botanic Gardens

## Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute

**KSCSTE-JNTBGRI, Palode, Thiruvananthapuram**

*In association with*

**National Academy of Sciences , India (NASI)**
**Kerala Chapter**

June 4th 2021; 11.00 am

**Speaker**
Prof. CR Babu
Professor Emeritus and Former PVC, University of Delhi
Ecologist and Environmentalist

Google Meet Link
https://meet.google.com/bzj-vjsm-vuq

**Contact**
E mail: seminar@jntbgri.res.in
Ph.: 9446376431